मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 187, मुंबई, गुरुवार, 1 सितंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)
अब हर सच होगा उजागर

मनी लॉन्ड्रिंग केस में
जैकलीन फर्नांडीज की बढ़ीं मुश्किलें

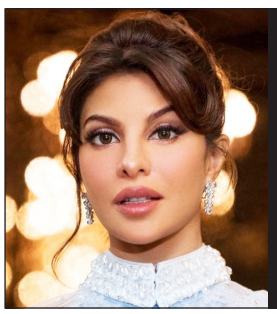

200 करोड़ रुपये से ज्यादा का है ठगी का मामला

26 सितंबर को पेश होने को कहा

पटियाला कोर्ट ने जारी किया समन

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मनी लॉन्ड्रिंग केस में जैकलीन फर्नांडीज की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस मामले में बुधवार को दिल्ली की पटियाला कोर्ट ने सुनवाई की। इसके बाद एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज को समन जारी करते हुए 26 सितंबर को अदालत में पेश होने का आदेश दिया है। हाल ही में ईडी ने इस केस में जैकलीन को भी आरोपी बनाया था। वहीं, 12 सितंबर को दिल्ली पुलिस भी एक्ट्रेस से पूछताछ करेगी। जैकलीन फर्नांडीज और सुकेश रिलेशन में थे।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

आईसीसी का बड़ा एक्शन

भारत-पाकिस्तान की टीम पर लगाया जुर्माना

मुंबई हलचल / संवाददाता

नई दिल्ली। एशिया कप 2022 में 28 अगस्त को जब भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने थीं, तब फैन्स को काफी मजा आया। क्योंकि यह मैच काफी दमदार हुआ था और आखिरी ओवर में जाकर नतीजा पता लगा। लेकिन इस रोमांचक मैच के बीच दोनों ही टीमों पर जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी द्वारा भारत और पाकिस्तान की टीम पर 40 फीसदी का जुर्माना लगाया गया है, यह स्लो ओवर रेट की वजह से हुआ है। दोनों ही टीमों ने अपनी फील्डिंग के वक्त ओवर पूरे करने में तय वक्त से ज्यादा समय लिया। यह जुर्माना खिलाड़ियों की मैच फीस के हिसाब से लगता है, यानी कि भारतीय टीम को इसमें ज्यादा घाटा हुआ है। क्योंकि पाकिस्तानी खिलाड़ियों के मुकाबले भारतीय खिलाड़ियों की मैच फीस काफी ज्यादा है।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

सोनिया गांधी की मां पाओला माइनो का इटली में निधन

जयराम रमेश ने ट्वीट कर दी जानकारी

नई दिल्ली। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी की मां का देहांत हो गया है। कांग्रेस के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। जयराम रमेश ने ट्वीट किया- सोनिया गांधी की मां पाओला माइनो का शनिवार 27 अगस्त, 2022 को इटली में उनके घर पर निधन हो गया। अंतिम संस्कार कल 28 अगस्त को हुआ।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

22 साल पुराने केस में कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने कोर्ट में किया सरेंडर

जारी हुआ था गैर-जमानती वारंट

वाराणसी। करीब 22 साल पुराने मामले में वरिष्ठ कांग्रेस नेता व राज्यसभा ने बुधवार को वाराणसी में एसीजेएम पंचम एमपी-एमएलए उज्जवल उपाध्याय की कोर्ट में आत्मसमर्पण किया। सुरजेवाला के खिलाफ गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी था। अधिवक्ता संजीव वर्मा के जरिये कोर्ट में हाजिर होकर सुरजेवाला ने वारंट निरस्त करने की गुहार लगाई। कहा कि उन्हें कोर्ट की ओर की गई कार्यवाही की जानकारी न होने के कारण अदालत में हाजिर नहीं हो सके।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

इराक में अराजकता

जब किसी मुल्क के राजनेता जिद की सियासत पर उतर आएं, तो उस देश का हश्र इराक जैसा होता है। सोमवार को ताकतवर शिया नेता व मौलवी मुक्तदा अल-सद्र की राजनीति से संन्यास की घोषणा ने उनके समर्थकों को इतना आहत कर दिया कि वे हिंसक हो उठे और सड़कों पर उतर आए। पिछले तीन दिनों से जारी अराजकता ने हथियारबंद प्रदर्शनकारियों और फौज के बीच टकराव में 30 से ज्यादा लोगों की जान ले ली है, 400 से अधिक लोग जख्मी हालत में अस्पतालों में भर्ती हैं। पूरे देश में कर्फ्यू लगाने की नौबत आ गई। दरअसल, पिछले साल अक्तूबर में ही वहां संसदीय चुनाव हुए थे, जिसमें अल-सद्र के गठबंधन ने 329 सदस्यीय संसद में सबसे अधिक सीटें जीती थीं, पर वह गठबंधन बहुमत के आंकड़े से तब भी पीछे रह गया था। तभी से वहां राजनीतिक गतिरोध कायम है और अस्थिरता की स्थिति से लोगों में निराशा गहराती जा रही है। आरोप है कि अल-सद्र अन्य पार्टियों से बात करने को राजी नहीं हैं, क्योंकि वे ईरान समर्थक मानी जाती हैं। आदर्श स्थिति तो यही थी कि शिया, सुन्नी व ईसाइयों की नुमाइंदगी करने वाली तमाम राजनीतिक पार्टियां इराक व इराकियों के हित में अपने पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर फैसले करतीं और एक साझा सरकार इराकियों को देतीं, जो लोगों की समस्याएं दूर करने के साथ देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का काम करती। वे इजरायल से सबक सीख सकती थीं, जहां मुखालिफ पार्टियां राष्ट्रहित में साझा सरकार बनाने या सत्ता में साझेदारी से नहीं हिचकतीं। लेकिन संशय की राजनीति इराकी नेताओं को इस रास्ते पर बढ़ने से रोकती रही है। नतीजतन, पिछले 10 महीनों से वहां न राष्ट्रपति चुना जा सका है और न प्रधानमंत्री का चुनाव हुआ। निवर्तमान प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी ही कार्यवाहक सरकार की कमान संभाले हुए हैं। जाहिर है, सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते पहल करने का दायित्व अल-सद्र का था। जनादेश उनसे यही अपेक्षा करता है, पर उनका रुख समाधान तलाशने के बजाय निराश करने वाला ही रहा। यह विडंबना ही है कि सद्दाम हुसैन की दशकों की तानाशाही से मुक्ति के बाद इराकी राजनीति ने ऐसे लोगों को प्रोत्साहित नहीं किया, जो अपने जातीय आधार से बाहर स्वीकृति पा सकें। इराक जैसे देश में, जहां शिया आबादी 61 प्रतिशत, सुन्नी 34 फीसदी और तीन प्रतिशत ईसाई बसते हैं, लोकतंत्र की कामयाबी के लिए ऐसे नेताओं की कहीं ज्यादा जरूरत है। इराक एक तेल संपन्न देश है और मौजूदा वैश्विक स्थिति का वह पूरा लाभ उठा सकता था, क्योंकि पश्चिम उसके साथ खड़ा था। पर उसके नौजवान आज रोजगार की मांग के साथ सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं या आम इराकी बढ़ती महंगाई से हलकान है, तो इसके लिए वहां का पूरा राजनीतिक नेतृत्व जिम्मेदार है। इस गतिरोध को तोड़ने का एक रास्ता यह है कि वहां फिर से संसदीय चुनाव कराए जाएं। लेकिन जिस तरह की सामुदायिक गोलबंदी वहां है, उसमें नए चुनाव से किसी इंकलाबी बदलाव की गुंजाइश कम ही दिखती है। इसलिए बगदाद की सत्ता पर प्रभाव रखने वाली विश्व की लोकतांत्रिक शक्तियों को मदद के लिए आगे आना चाहिए, क्योंकि यदि वहां अराजकता बढ़ी, तो उससे पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि समूचा विश्व प्रभावित होगा। रूस-यूक्रेन युद्ध, चीन-ताइवान तनाव के साथ इराक के जरिये पश्चिम एशिया में किसी किस्म की उथल-पुथल गरीब मुल्कों के लिए काफी दुखदायी साबित होगी।

कांग्रेस अध्यक्ष का नया चुनाव !

निश्चित रूप से यह भी स्वीकार किया जाना चाहिए कि पिछली सदी तक देश के विकास का इतिहास वही है जो कांग्रेस पार्टी का इतिहास है और इसी दौरान हर क्षेत्र में भारत की हुई तरक्की को नजरअन्दाज नहीं किया जा सकता क्योंकि 1947 में सुई तक का उत्पादन न करने वाले भारत में औद्योगिक क्रान्ति के नये मानदंड स्थापित किये गये थे। मगर कांग्रेस एक ही खूंटे से अटके रहने की जिद ठान कर अपना अस्तित्व कायम नहीं रख सकती। जमाना पूरी तरह बदल चुका है

वक्त के बदलते तेवर और विपरीत राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए कांग्रेस को ऐसा फैसला लेना चाहिए जिससे इसकी 136 साल पुरानी विरासत भी बची रह सके और नये दौर में यह प्रासंगिक भी बनी रह सके। कांग्रेस पार्टी की सर्वोच्च निर्णायक संस्था कार्य समिति ने आज अपनी बैठक में अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए 17 अक्तूबर का दिन निश्चित किया और 19 अक्तूबर को वोटों की गिनती का दिन मुकर्रर किया। पार्टी के संविधान के मुताबिक यह फैसला किया गया है। अतः इस पार्टी के सभी नेताओं का कर्त्तव्य बनता है कि वे पार्टी में आन्तरिक लोकतन्त्र की स्थापना उसी प्रकार करें जिस प्रकार ह्यनेहरू कार्यकालह्न में थी। यह एक हकीकत है कि इस परंपरा को समाप्त करने वाली कोई और नहीं बल्कि एक जमाने में देश की सबसे शक्तिशाली कही जाने वाली प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ही थीं। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि वह एक करिश्माई नेता थीं और पूरी कांग्रेस उधर ही होती थी जिधर श्रीमती गांधी होती थीं। मगर अपनी लोकप्रियता के बूते पर उन्होंने कांग्रेस संगठन को ही अपनी मनपसंद के नेताओं का जमघट बना डाला जिसकी वजह से कांग्रेस जन परक न होकर नेता परक होती चली गई और सारे फैसले श्रीमती गांधी की आंख के इशारे पर ही होने लगे।

वस्तुतः कांग्रेस में गणेश परिक्रमा की संस्कृति यहीं से शुरू हुई और जनता के बीच काम करके ऊपर उठने वाले नेताओं की प्रतिष्ठा हाशिये पर जाने लगी। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह हुआ कि कांग्रेस पार्टी जनता से कटने लगी और जन सम्पर्क बनाये रखने के स्थान पर नेता से सम्पर्क बनाना ऊपर उठने की शर्त हो गई। श्रीमती गांधी की मृत्यु के बाद भी यही संस्कृति कांग्रेस में जारी रही जिसकी वजह से इस पार्टी में श्रीमती गांधी जैसे नेता के अभाव में संगठन धीरे-धीरे दम तोड़ने लगा। कांग्रेस को सर्वप्रथम यह स्वीकारोक्ति करनी होगी कि उसके पास अब इंदिरा गांधी जैसा कोई करिश्माई नेता नहीं है। अतः उसे श्रीमती गांधी की राजनैतिक संस्कृति को छोड़ कर पं. नेहरू की उस संस्कृति की तरफ लौटना होगा जिसमें हर क्षेत्र का जन नेता अपने सर्वोच्च नेता की आंख में आंख डाल कर अपनी बात कह सकता था। इसके एक नहीं कई उदाहरण हैं जब पं. नेहरू जैसे सर्वशक्तिशाली और लोकप्रिय नेता को अपनी पार्टी के सामान्य नेताओं की जायज मांगों के सामने झुकना पड़ा और उन्होंने उसे सहर्ष स्वीकार किया। सबसे बड़ा उदाहरण चौधरी चरण सिंह का है जब कांग्रेस में रहते हुए पचास के दशक में उन्होंने कांग्रेस के अखिल भारतीय सम्मेलन में पं नेहरू की सहकारिता खेती नीति का खुलेआम उल्लंघन किया था। इससे पहले ओडिशा के मुख्यमन्त्री डा. हरेकृष्ण मेहताब ने भी अमेरिकी मदद से मुफ्त सामुदायिक विकास साधनों के निर्माण का विरोध किया था। प. नेहरू ने हर बार अपने फैसलों को बदलना उचित समझा। मगर श्रीमती गांधी ने इस जनमूलक संस्कृति को पूरी तरह उलट दिया और संगठन को अपने जी- हुजूर नेताओं से इस तरह भर डाला कि पूरी कांग्रेस पार्टी ही तदर्थ आदार पर चलने लगी। वह राज्यों के मुख्यमन्त्री इस प्रकार बदला करती थीं जिस तरह किसी दफ्तर में पानी पिलाने वाले कर्मचारी को बदला जाता है। मगर इसके पीछे उनका स्वयं का प्रताप था जिसे अपार जनसमर्थन से ऊर्जा मिलती थी। उनकी मृत्यु के बाद कांग्रेस का जन मूलक स्वरूप नहीं उभर सका और परिणामतः पार्टी का जनाधार ही सिमटने लगा परन्तु इतना सब होने के बावजूद आज भी कांग्रेस को कुल 80 करोड़ मतदाताओं में से 12 करोड़ मतदाताओं के वोट मिलते हैं अतः इस जमीन को संभालते हुए आगे चलने की सख्त जरूरत है जिससे देश के लोकतन्त्र में एक सशक्त विपक्षी पार्टी का अस्तित्व कायम रह सके।

श्री गुलाम नबी आजाद के पार्टी से बाहर हो जाने के बाद आज भी कांग्रेस में योग्य व अनुभवी नेताओं की कमी नहीं है। मगर परिस्थितियां निश्चित रूप से 1969 या 1978 जैसी नहीं हैं जब श्रीमती गांधी ने अपने ही बूते पर कांग्रेस को पुनः खड़ा कर दिया था। इसके लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत होगी और प्रत्येक नेता को स्वयं को भीतर से टटोलना होगा कि वह पार्टी के लिए क्या कर सकता है। किसी एक व्यक्ति के ऊपर अंध विश्वास का फलसफा देते हुए चाटुकारिता की चौपाइयां पढ़ने का समय जा चुका है और वस्तुनिष्ठ होकर परिस्थितियों का वैज्ञानिक विश्लेषण करने का समय आ चुका है। अतः कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए ऐसे नेताओं का आगे आना जरूरी है जिनमें इस संकटकाल में पार्टी को नई दिशा और दशा देने की क्षमता हो। पार्टी को इसके लिए नये वक्त की चुनौतियों को समझना होगा और भाजपा द्वारा खड़े किये राष्ट्रवाद के विमर्श का मुकाबला करने के लिए स्वतन्त्रता पूर्व की राजनीति के मानकों को छोड़ कर देश की नई पीढ़ी की अपेक्षाओं के अनुरूप ठोस विमर्श को आगे लाना होगा। केवल 'मोदी विरोध' कोई विमर्श नहीं हो सकता क्योंकि श्री मोदी ने सरकारी नीतियों को जिस तरह सकल राष्ट्रवाद के भीतर जन मूलक व गरीब परक बना कर व्यावहारिक रूप दिया है उससे पूरी राजनीति का चरित्र ही बदल गया है। निश्चित रूप से यह भी स्वीकार किया जाना चाहिए कि पिछली सदी तक देश के विकास का इतिहास वही है जो कांग्रेस पार्टी का इतिहास है और इसी दौरान हर क्षेत्र में भारत की हुई तरक्की को नजरअन्दाज नहीं किया जा सकता क्योंकि 1947 में सुई तक का उत्पादन न करने वाले भारत में औद्योगिक क्रान्ति के नये मानदंड स्थापित किये गये थे। मगर कांग्रेस एक ही खूंटे से अटके रहने की जिद ठान कर अपना अस्तित्व कायम नहीं रख सकती। जमाना पूरी तरह बदल चुका है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पुरानी रंजिश के चलते जन्मदिन के अवसर पर युवक पर किया गया हमला

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। पुरानी रंजिश के चलते युवक पर हमला करने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में शिकायतकर्ता महिंद्र वामन कांबळे वर्ष 44 व्यवसाय बिगारी काम रहवासी नासिक वार्ड रूम नंबर 36 शहीद भगत सिंह चौक संजय नगर मुंब्रा उनके द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 28 अगस्त रविवार रात 11:30 बजे मेरा दोस्त अजय पवार के लड़के का जन्मदिन उसके घर गांव देवी मंदिर बाईपास रोड के पास शाम का समय हम सब मिलकर हंसी खुशी जन्मदिन मना रहे थे उन्होंने बताया जिसने मुझ पर लोखंड के रोड से हमला किया था पहली भी मेरे साथ में उसके विवाद हुआ था सागर लक्ष्मण जगताप को जन्मदिन के अवसर पर किसी ने भी आमंत्रित नही किया था फिर भी वह जन्मदिन की पार्टी में आ गया और नाचते-नाचते जान पूछ कर मेरे आंग पर आ रहा था फिर अजय पवार ने उसको वहां से हकाल दिया यह बोलकर कि तों कायको हमारा फंक्शन खराब कर रहा है फिर वह वहां से चला गया उसके बाद मेरा दोस्त हम लोग बैठे थे फिर पीछे से सागर लक्ष्मण जगताप वर्ष 21 रहवासी सम्राट नगर मुंब्रा, संदेश जगताप वर्ष 20 रहवासी सम्राट नगर मुंब्रा,दिपक धोत्रे वर्ष 22 रहवासी संजय नगर मुंब्रा, सूरज धोत्रे वर्ष 23 रहवासी संजय नगर मुंब्रा इन चारों ने मिलकर मुझ पर हमला कर मारना पीटना शुरू कर दिया सागर

लक्ष्मण जगताप ने मेरे सर पर लोखंड का रोड से हमला कर मुझे जख्मी कर दिया और मैं जमीन पर गिर गया उसके बाद मेरे परिवार वालों को फोन करके सूचना दी फिर जख्मी अवस्था में हम लोग शिकायत करने के लिए मुंब्रा पुलिस स्टेशन गए थे और पुलिस स्टेशन ने मुझे कलवा छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में उपचार के लिए भेज दिया गया मुझे सर पर पांच टांके आए हैं और जब इन चारों ने मुझ पर हमला किया तो यह चारों दोस्त नशे की हालत में थे क्योंकि यह चारों नशेड़ी है एमडी चरस गांजा जैसे नशीली पदार्थ का यह लोग सेवन करते हैं जब मैं अस्पताल से वापस आया मेरी शिकायत पर मुंब्रा पुलिस स्टेशन द्वारा चारों लोगों के विरुद्ध में भारतीय दंड संहिता की धारा 324 504 34 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया फिलहाल पुलिस ने इन चारों को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया है जिसमें से दो आरोपी फरार हैं और दो आरोपी अपने घर पर ही है उन्होंने बताया गत 30 अगस्त मंगलवार सवेरे दीपक धोत्रे और सूरज धोत्रे अपने परिवार समेत मुझे केस वापस लेने का दबाव बनाने लगे और यह धमकी देकर गए हैं अगर तूने केस वापस नहीं लिया तो परिणाम बुरा होगा गौरतलब बात तो यह है जिस प्रकार यह चारों युवकों ने पुरानी ठसन के कारण हमला कर दिया और यह चारों युवक की उम्र ज्यादा नहीं है और यह जो भी हमला किया गया नशे की हालत में किया गया हम बार-बार अपने अखबार के माध्यम से पुलिस प्रशासन को यह अवगत कराते हैं मुंब्रा शहर में नशे के कारण कम उम्र के युवक चोरी चकारी और खूनी वारदात जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम दें रहे हैं हम मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग से निवेदन करते हैं कि जल्द से जल्द मुंब्रा शहर में नशे के कारोबारियों पर प्रतिबंधित कार्रवाई करें क्योंकि नशे के सेवन से कम उम्र की युवक अपनी जिंदगी के साथ-साथ अपने परिवार का भी सर्वनाश कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री बनने की इच्छा नहीं, विपक्ष को एकजुट करेंगे, पीएम पद से शरद पवार का मोहभंग क्यों?

मुंबई। एनसीपी के सर्वेसर्वा शरद पवार का एक बयान महाराष्ट्र की सियासत में चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल पवार ने यह बोलकर सबको चौंका दिया है कि वो देश का प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहते हैं। मुंबई से सटे ठाणे जिले में शरद पवार ने खुले तौर पर अपनी उम्र का हवाला देते हुए कहा है कि देश में सत्ता की कोई जिम्मेदारी आगे वे स्वीकार नहीं करेंगे और उनकी इस तरह की कोई इच्छा नहीं है। यह कहकर उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री की दौड़ से अलग कर लिया है। उन्होंने बताया की मोरारजी देसाई 81 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बने थे, लेकिन वे आज 82 वर्ष के हैं। हालांकि पवार ने कहा कि केंद्र सरकार के दमन के खिलाफ वे देशभर के सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने का काम करेंगे। शिवसेना के शिव संग्राम सहित

अन्य पार्टियों को साथ में लेने और महाविकास अघाड़ी के घटक दलों के एक साथ चुनाव लड़ने के बारे में पवार ने कहा कि इस बारे में अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है, लेकिन वे चाहते हैं कि सब साथ आएं। शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुटकी लेते हुए कहा कि उनको यह पता नहीं था कि उनकी उंगली पकड़ने वाला व्यक्ति देश के लिए इस तरह घातक होगा। पत्रकारों के इस सवाल पर कि नरेंद्र मोदी ने बारामती में कहा था कि वे शरद पवार की उंगली पकड़कर राजनीती में आगे बढ़े थे, पवार ने कहा कि उन्हें यह पता नहीं था कि उनकी उंगली पकड़ने वाला देश पर इस तरह भारी पड़ेगा। पुणे के बाद, ठाणे को राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण जिला बताते हुए पवार ने कहा कि वे अपने राज्य के दौरे की शुरूआत ठाणे से करेंगे। शरद पवार ने कहा कि केंद्र सरकार जब से सत्ता में आई है, उसने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया है। पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अच्छे दिन, न्यू इंडिया, सौ फीसद डिजिटल लिटरेसी, सभी को शौचालय और घर उपलब्ध कराने और 2024 के लिए फाइव ट्रिलियन इकॉनमी का वादा याद दिलाया।

बैंक के साथ 50 लाख रुपये की धोखाधड़ी के कारण चार को जेल की सजा

मुंबई। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने 50 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में देना बैंक की अंधेरी शाखा के पूर्व मुख्य प्रबंधक एवं तीन अन्य को सोमवार को सजा सुनायी। विशेष न्यायाधीश ए एस सैयद ने इन सभी को भारतीय दंड संहिता एवं भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत दोषी करार दिया था। अदालत ने मुख्य आरोपी विजय चौधरी को पांच साल के कारावास की सजा सुनायी जबकि पूर्व मुख्य प्रबंधक प्रफुल्ल मिश्र को चार साल का कारावास दिया गया है। मामले के दो अन्य दोषी राजेश धनुकार एवं गणेश कंडू को क्रमशः तीन साल और दो साल की सजा दी गयी है जबकि दो अन्य को अदालत ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं मिलने के कारण छोड़ दिया।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मनी लॉन्ड्रिंग केस में जैकलीन फर्नांडीज की बढ़ीं मुश्किलें

इनकी कई प्राइवेट फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं, जिसके बाद ईडी ने जैकलीन से पूछताछ की और दोनों की फोटोज को सबूत के रूप में रखा। खबर के मुताबिक, ईडी का मानना है कि जैकलीन को शुरू से पता था कि इस केस के मख्य आरोपी सुकेश चंद्रशेखर ठग है और वह जबरन वसूली करने वाला है। सुकेश ने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर्स की पत्नियों से 200 करोड़ रुपए वसूले थे। ईडी की पूछताछ में जैकलीन ने सुकेश के साथ रिलेशन की बात मानी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस ने पूछताछ में बताया कि उसने सुकेश से करोड़ों के रुपए के गिफ्ट लिए थे। सुकेश ने उसे डायमंड रिंग देकर प्रपोज किया था। इस रिंग में जे और एस बना हुआ था। सुकेश ने एक्ट्रेस को एस्पुएला नाम का एक 50 लाख का घोड़ा और 9-9 लाख रुपए की बिल्लियां गिफ्ट की थीं। इनके अलावा, गुच्ची के 3 डिजाइनर बैग, गुच्ची के 2 जिम वियर, लुई विटॉन के एक जोड़ी शूज, हीरे की दो जोड़ी बालियां, माणिक का एक ब्रेसलेट, दो हेमीज ब्रेसलेट और एक मिनी कूपर कार दी थी। बता दें कि इस केस के सामने आने के बाद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया पर जैकलीन के साथ अपनी कुछ तस्वीरें शेयर करके दावा किया था कि वे दोनों रिलेशनशिप में थे। हालांकि जैकलीन ने अभी तक इन सारे दावों पर कोई भी सफाई नहीं दी है।

आईसीसी का बड़ा एक्शन

मैच रेफरी जेफ क्रोए के मुताबिक, रोहित शर्मा और बाबर आजम दोनों ही कप्तान तय समय से करीब दो ओवर पीछे चल रहे थे। आईसीसी ने अपने बयान में बताया है कि खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के लिए धीमी ओवर गति से संबंधित आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2।22 के अनुसार खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में एक ओवर कम करने पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। आईसीसी का कहना है कि दोनों कप्तानों ने अपनी गलती स्वीकार की और उन्हें जुमार्ना मंजूर है इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर मसूदुर रहमान और रुचिरा पिल्लियागुरुगे, तीसरे अंपायर रवींद्र विमलासिरी और चौथे अंपायर गाजी सोहेल ने दोनों टीम पर यह आरोप लगाए थे। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मैच की बात करें तो टीम इंडिया ने इसमें पांच विकेट से जीत हासिल की थी। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 147 का स्कोर बनाया था, जवाब में भारत ने आखिरी ओवर में इस लक्ष्य को हासिल कर लिया था। भारत की तरफ से हार्दिक पंड्या ने मैच जिताऊ पारी खेली थी, जिसमें उन्होंने 17 बॉल में 33 रन बनाए थे और 3 विकेट भी लिए थे।

सोनिया गांधी की मां पाओला माइनो का इटली में निधन

सोनिया गांधी पिछले हफ्ते अपनी मां से मिलने के लिए गई थीं। यह यात्रा मेडिकल जांच के लिए उनकी विदेश यात्रा का हि था, जहां उनके बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा उनके साथ गए थे। सोनिया अभी विदेश में ही हैं। राहुल और प्रियंका पिछले कुछ सालों में कई बार अपनी नानी से मिलने गए थे। 2020 में जब राहुल गांधी को उनकी लगातार विदेश यात्राओं पर कुछ आलोचनाओं का सामना करना पड़ा, तो पार्टी ने कहा था कि वह एक बीमार रिश्तेदार से मिलने के लिए इटली की निजी यात्रा पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोनिया गांधी की मां के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनकी आत्मा को शांति मिले। दुख की इस घड़ी में, मेरे विचार पूरे परिवार के साथ हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष की मां के निधन के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। परिवार के सभी सदस्यों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूं। ईश्वर उन्हें यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे और आत्मा को शांति दे। वहीं, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने ट्वीट किया कि सोनिया गांधी जी की मां के निधन पर गहरा दुख प्रकट करता हूं। ईश्वर कांग्रेस अध्यक्ष और उनके परिवार के सदस्यों को यह दुख सहन करने की शक्ति दे।

22 साल पुराने केस में कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने कोर्ट में किया सरेंडर

अदालत ने आरोपी के आवेदन को स्वीकार किया। 25000 का बंध पत्र देने पर कोर्ट ने वारंट रद्द किया। इस शर्त के साथ रिहा कर दिया कि आगे की तारीखों पर स्वयं या तो अधिवक्ता के जरिए कोर्ट में हाजिर होंगे। बता दें कि चर्चित संवासिनी गृह कांड में एक कांग्रेसी नेता का नाम सामने आया था। इसके विरोध में पार्टी नेताओं ने 21 अगस्त को 2000 को कमिश्नरी कार्यालय में जमकर प्रदर्शन किया था। मंडलायुक्त कोर्ट में घुसकर तोड़फोड़ करने का भी आरोप है। मामले में कई आरोपियों में एक नाम रणदीप सिंह सुरजेवाला का भी है।

लालू और राबड़ी देवी से मिले केसीआर, भाजपा को कोसा, विपक्षी एकता पर कही यह बात

पटना। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने पटना में राबड़ी देवी के आवास पर राजद प्रमुख लालू यादव और बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी से मुलाकात की। इससे पहले केसीआर ने विपक्षी एकता की बात पर जोर दिया। उन्होंने इसके तहत बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात की। उन्होंने देश में जारी समस्याओं के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया और भाजपा मुक्त भारत को लेकर विपक्ष को एकसाथ आने को कहा। हालांकि, संयुक्त विपक्ष के नेतृत्व और उसमें कांग्रेस की भूमिका पर उन्होंने कुछ नहीं कहा। केसीआर ने नीतीश कुमार को बड़े भाई कहते हुए कहा कि नीतीश जी के साथ बातचीत हुई और एक बात पर सहमति बनी कि किसी भी प्रकार से बीजेपी की सरकार को देश से बाहर करना है। 8 साल से नरेंद्र मोदी जी

प्रधानमंत्री बने हुए हैं लेकिन हर सेक्टर में देश का विनाश हो रहा है, देश के सभी लोग परेशान हैं। राव ने आरोप लगाया कि केंद्र की गलत नीतियों के कारण व्यवसायी देश से अपना पैसा निकाल रहे हैं। उन्होंने अग्निपथ योजना को लेकर भी मोदी सरकार की आलोचना की। केसीआर ने कई साल पहले अमेरिका की यात्रा के दौरान 'अब की बार ट्रंप सरकार' कहने के लिए प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसा। उन्होंने इसे राजनयिक भूल बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के नाकामियों की वजह से देश का काफी नुकसान हुआ है और जो राज्य अपने जगह पर खड़े होकर अच्छा काम कर रहे हैं उन्हें करने नहीं दिया जा रहा है क्या इसका जवाब केंद्र सरकार के पास है? मोदी जी का खुद का वादा था कि 2022 तक हर गरीब का अपना मकान होगा..क्या ये सफल हुआ? केसीआर ने कहा कि आज जिस प्रकार से धर्म के नाम पर लोगों को और समाज को तोड़ने का काम किया जा रहा है तथा एक अच्छे भारत को खराब करने का जो प्रयास हो रहा है तो ये देश को कहां ले जाएगा? इसलिए देश की अर्थव्यवस्था खत्म और रुपए का मूल्य गिर गया है आदि।

ट्रेन देरी से चलने पर गुस्साए यात्रियों ने पहले विरोध प्रदर्शन किया ....स्टेशन मास्टर को पीटा

ठाणे। महाराष्ट्र के वसई-दिवा रेलवे मार्ग पर यात्रियों की भीड़ ने एक एक स्टेशन मास्टर के साथ इसलिए मारपीट की, क्योंकि मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (एमईएमयू) ट्रेने समय से देरी से चल रही थीं। आक्रोशित यात्रियों ने मंगलवार को पालघर जिले के कामन रोड रेलवे स्टेशन पर स्टेशन मास्टर पर हमला करने से पहले नब्बे मिनट से अधिक समय तक विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) के त्वरित हस्तक्षेप ने स्थिति को

नियंत्रण से बाहर होने से रोक दिया। इस मामले में अबतक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट ट्रेनें छोटी और मध्यम दूरी के मार्गों पर चलती हैं। जीआरपी के एक अधिकारी ने बताया कि स्टेशन मास्टर की शिकायत पर भारतीय रेल अधिनियम के अलावा लोक सेवक को अपने कर्तव्य का निर्वहन करने से रोकने के लिए हमला और आपराधिक बल के लिए भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मुलुंड में मेघवाल समाज राजस्थान का भादवा बीज मेला व स्नेह सम्मेलन

हितेश सोनी (रामाजी गुडा)

मुंबई। इटन्दरा मेडतियान-मुलुंड मुंबई में मेघवाल समाज राजस्थान का बाबा रामदेव पीर की भादवी बीज को मेला व स्नेह सम्मेलन का आयोजन मुख्य अतिथि सुरज गहलोत के सानिध्य मे आयोजित हुआ। बाबा रामदेव पीर सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष मोहनलाल ने बताया भादवी बीज के उपलक्ष मे मेला व स्नेह सम्मेलन हुआ। साथ ही विशाल भजन

संध्या का आयोजन हुआ। जिसमे भजन कलाकार दुर्गेश मारवाडी पाली, ज्योति शर्मा, ने बाबा रामदेव के शानदार भजन प्रस्तुत किये। नृत्य कलाकार सुनिता मारवाड़ी, प्रकाश भाई जेतारण ने मनमोहन नृत्य की प्रस्तुति दी। मच का संचालन खरताराम सोलंकी ने किया। इस मोके पर बाबा रामदेव पीर सेवा ट्रस्ट के सदस्य सहित बडी संख्या मे समाज बन्धु उपस्थित थे।

प्रसिद्ध साहित्यकार गुरुदीन वर्मा को राष्ट्रीय साहित्य भूषण पुरस्कार मिलेगा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। सिरोही जिले के पिण्डवाड़ा ब्लॉक के नांदिया गाँव में नियुक्त और बारां जिले के मूलनिवासी शिक्षक और साहित्यकार गुरुदीन वर्मा को नाशिक में 11 सितम्बर को बालशास्त्री जाम्भेकर पत्रकार संघ द्वारा राष्ट्रीय साहित्य भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। साहित्यकार वर्मा ने मीडिया को बताया कि उनको इससे पहले कई नामी पुरस्कारों से उनकी 2800 काव्य रचनाओं के सम्मानित किया जा चुका है जिनमें वर्ल्ड ग्रेटेस्ट रिकॉर्ड पुरस्कार, इंफ्लुन्सर बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड पुरस्कार, नेशनल टेलेंट अचीवमेंट अवार्ड, आईडल इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड अवार्ड, इंडियन आइकॉन अवार्ड आदि प्रमुख हैं। शिक्षक गुरुदीन वर्मा को इस राष्ट्रीय साहित्य भूषण पुरस्कार के लिए चयनित किये जाने पर उनके विद्यालय के स्टाफ, राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील), उनके परिवार, कई साहित्यकारों और उनके गृहजिले के लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

जयपुर में अंजान आशिक ने लड़की का जीना किया दुश्वार, पुलिस में मामला दर्ज

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। पीड़िता जयपुर में सनकी आशिक ने किया लड़की का जीना दुशवार लड़की थाने पहुंची और सुनाई हैरान करने वाली कहानी। पीडिता और उसका परिवार डरा सहमा हुआ है। उधर पुलिस ने कुछ नंबर पर कॉल किया तो कुछ नंबर बंद आए और कुछ नंबर पर किसी ने फोन ही नहीं उठाया। आरोपी की तलाश की जा रही है। सनकी आशिक के कारण एक लड़की ने खुद को घर में कैद कर लिया। वह कई दिनों तक घर के बाहर नहीं निकली तो माता पिता को चिंता हुई। पिता ने पूछताछ की तो बेटी रोने लगी और सारी घटना के बारे में जानकारी दी। पिता ने बेटी को थाने ले जाकर अब आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। जांच करणी विहार थाना पुलिस कर रही है। पुलिस ने बताया कि पीडिता पांच्यावाला क्षेत्र में रहने वाली है। उसने कुछ मोबाइल नंबर पुलिस को दिए हैं।

इन नंबरों से लगातार फोन कॉल आते हैं। पीडिता ने पुलिस को बताया कि कुछ महीनों पहले कॉल आया था, बात करने के बाद फोन काट दिया। उसक बाद उस लड़के ने गंदे ऑडियो मैसेज भेजना और गंदे फोटोज भेजना शुर कर दिया। नंबर ब्लॉक किया तो दूसरे नंबरों से परेशान करना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर गंदे वीडियो शेयर करने लग गया। फिर से ब्लॉक किया तो फिर दूसरे नंबरों से फोन करने लग गया। पीडिता ने बताया कि आरोपी कहता है कि वह एक महीने तक साथ रहता चाहता है, होटल बुक कराने की बात करता है। पीडिता के पिता ने पुलिस को बताया कि इस घटना के बाद से बेटी सदमे में है। पीडिता ने परेशान करने वाले आरोपी को देखा नहीं है। इस कारण वह घर से बाहर तक नहीं निकलती। पीडिता के पिता ने पुलिस को बताया कि बेटी की इस हालात के बाद उसे डॉक्टर को भी दिखाया है। अब कहीं भी आती जाती है तो पिता को साथ लेकर जाती है। पीडिता और उसका परिवार डरा सहमा हुआ है। उधर पुलिस ने कुछ नंबर पर कॉल किया तो कुछ नंबर बंद आए और कुछ नंबर पर किसी ने फोन ही नहीं उठाया। आरोपी की तलाश की जा रही है। उक्त जानकारी जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार बाबू अंसारी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

लंपी स्किन गौवंशौ के लिए दवाई का छिड़काव किया व लापसी बनाकर खिलाई

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। वाय एस एस बल्ड ग्रूप जोधपुर के अध्यक्ष नदीम बक्ष ने बताया की जोधपुर जिला कलेक्टर के निदेशानुसार जोधपुर जिले के शहर पंचायत समिति के ग्राम पंचायत में गाये लंपी स्किन की बीमारी से ज्यादा प्रभावित है नदीम बक्ष ने बताया की बड़ती गौवंशो की बिमारी को गंभीर माना जा रहा हे जिसके चलते प्रतिदिन दवाई का छिड़काव व लापसी बनाकर गौ शालाओ मे गायो को खिलाई जा रही ग्रुप के सभी सदस्य अपनी अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाते नजर आ रहे हे जिससे ज्यादा से ज्यादा गौवशो को लाभ मिल सके व लंपी स्किन बिमारी से गायो को बचाया जा सके इनके सहयोग से हो रही हे सेवा नदीम बक्ष, एजाज मोहम्मद, मोहसीन शेख, साकिर शेख, राम स्वरूप शर्मा, मुजाहिद कुरेसी, वसीम कुरेसी, फिरोज खान, अजीज पठान,व सभी सदस्य अपनी अपनी भुमिका निभा रहे है।

ओडिशा में नष्ट किया गया एक टन गांजा, पिछले साल राज्य पुलिस की एसटीएफ ने किया था जब्त

भुवनेश्वर। ओडिशा के अधिकारियों ने उस एक टन गांजे को नष्ट कर दिया है जिसे राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) द्वारा जब्त किया गया था। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि 2021 में एक मामले में आरोपियों से जब्त किए गए गांजे को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 52 ए के मुताबिक सभी उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए नष्ट किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरीज के वैज्ञानिकों और सदस्यों की मौजूदगी में भुवनेश्वर एसटीएफ के एसपी, खुर्दा के आबकारी अधीक्षक, खुर्दा के डीएसपी और एसटीएफ के नेतृत्व में ड्रग डिस्पोजल कमेटी के निर्णय के अनुसार कार्रवाई की गई। जब्त ड्रग्स को पहले संबंधित अदालत द्वारा प्रमाणित किया गया और निपटान/विनाश के लिए ड्रग डिस्पोजल कमेटी को सौंप दिया गया। अधिकारी ने कहा, ओडिशा में यह अब तक पहला प्री-ट्रायल डिस्पोजल केस है, जहां एनडीपीएस अधिनियम, 185 की धारा 52ए के तहत प्रतिबंधित गांजे को नष्ट कर दिया गया है। इससे पहले जून 2022 में एसटीएफ ने 8.5 किलोग्राम से ज्यादा ब्राउन शुगर को नष्ट किया था। इस निपटान/विनाश के लिए कई अन्य मामले (एसटीएफ और जिला पुलिस स्तर पर) प्रक्रियाधीन हैं।

सीएम ममता ने पुलिसकर्मियों को दी सौगात, राज्य पुलिस दिवस की पूर्व संध्या पर किए कई एलान

मुंबई हलचल / संवाददाता

कोलकाता। ममता बनर्जी ने कहा कि एक चैनल ने मुझ पर अवैध रूप से जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया। मुझे इसकी जानकारी नहीं है। हम रानी रश्मोनी के इलाके स की पूर्व संध्या पर कई एलान किए। उन्होंने कई श्रेणियों में राज्य पुलिस अधिकारियों के लिए पदोन्नति, वर्दी भत्ता, प्रतिपूरक नियुक्ति और ऊपरी आयु सीमा में वृद्धि की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे कई पुलिसकर्मियों को फायदा होगा। ममता बनर्जी ने कहा कि एक चैनल ने मुझ पर अवैध रूप से जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया। मुझे इसकी जानकारी नहीं है। हम रानी रश्मोनी के

इलाके में रहते हैं। हम सभी पट्टे पर किराएदार हैं। सीएससी की बैठक में आज मैंने अपने मुख्य सचिव से कहा कि जांच करें और संपत्ति को तोड़ने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि अगर मेरे परिवार को केंद्रीय एजेंसियों से नोटिस मिलता है, तो मैं इसे कानूनी रूप से लड़ूंगी। हालांकि, यह इन दिनों कठिन हो गया है। अगर यह साबित हो जाता है कि मैंने किसी संपत्ति पर कब्जा किया है या ऐसा करने में किसी की मदद की है, तो इसे बुलडोजर से गिराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का आरोप है कि कोयला घोटाले की कार्यवाही कालीघाट जा रही है, लेकिन किसी का नाम नहीं लिया। क्या पैसा मां काली के पास जा रहा है? कालीघाट में मेरा निवास (19वीं सदी के जमींदार और परोपकारी) रानी रश्मोनी की भूमि पर है। मैं अस्थायी किरायेदार हूं।

किर्लोस्कर डीलर ने लगाए किर्लोस्कर मालिक अतुल किर्लोस्कर एवं गोरी किर्लोस्कर पर गंभीर आरोप

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। पीड़ित ने प्रेस वार्ता कर लगाई प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से न्याय की गुहार मामला यह था कि 2019 में किर्लोस्कर डीलर ने इंजन की सर्विस में डीलरशिप ली थी, जिस पर किर्लोस्कर ने डीलर को बड़े-बड़े सपने दिखाकर 30 वर्षों का मौखिक रूप से डीलरशिप का वादा किया था। जिसके लिए डीलर ने करोड़ों रुपए की संपत्ति वह अपना करोड़ों रुपए का मकान बेचकर किर्लोस्कर मालिक के कहने पर 14000000 रुपए इन्वेस्ट कर दिया, साथ ही कंपनी के साथ 2 साल पूर्ण ईमानदारी के साथ कार्य किया जहां पूरी दुनिया कोरोना काल से जूझ रही थी उस समय डीलर के द्वारा पूर्ण ईमानदारी के साथ कोरोना योद्धा के रूप में काम किया वह जगह जगह जाकर कंपनी की सर्विस लोगों तक पहुंचाई मगर कुछ दिन बीत जाने के बाद, एरिया मैनेजर रविंद्र केन को किर्लोस्कर के द्वारा उसकी परिचित महिला मित्र को कंपनी में बतौर सर्विस मैनेजर के पद पर सिफारिश के तौर पर लगवाया गया, जिसका कुछ समय बाद भंडाफोड़ हो गया, रविंद्र केन के द्वारा महिला कर्मचारी से निजी फोटो मांगे गए फोटो को लेकर आपस में महिला कर्मचारी और रविंद्र केन

के बीच में बिगाड़ हो गया, यह बात महिला कर्मचारी ने वेदांता इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर विनोद शर्मा को बताया जिसको लेकर विनोद शर्मा ने सारे मामले को रिकॉर्डिंग और व्हाट्सएप चैट आदि बतौर सबूत के कंपनी मालिक गौरी किर्लोस्कर को भेजकर सूचित किया किर्लोस्कर ने एक्शन लेते हुए रविंद्र कैन को नौकरी से निकाल दिया सिलसिला यहीं नहीं थमा किर्लोस्कर ने इस बात का गलत मतलब निकालते हुए ईमानदार डीलर को नोटिस थमा कर कंपनी से डिस्कंटीन्यू कर दिया जिसके चलते 35 परिवार रोजगार से हाथ धो बैठे जब इसके डीलर द्वारा कम्पनी से पूछा गया और मिलने का समय मांगा गया तो किर्लोस्कर की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई जब डीलर ने न्याय के लिए कोर्ट में परिवाद दिया तो उल्टा कंपनी ने डीलर को ही दोषी बना कर पल्ला झाड़ लिया जिससे जिससे डीलर को करोड़ों रुपए का नुकसान हो गया और डीलर रोड पर आ गया डीलर विनोद शर्मा न्याय के लिए दर-दर की ठोकरे खा रहा है और सड़क पर आ गया जिसको लेकर आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर न्याय के लिए न्यायपालिका में देश के सर्वोच्च पद पर विराजमान महामहिम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पीड़ित डीलर के द्वारा मीडिया के माध्यम से गुहार लगाई। उक्त जानकारी जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार बाबू अंसारी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई हलचल की खबर का हुआ असर

हटाए गए लंढौरा पुलिस चौकी प्रभारी अकरम

चौकी प्रभारी की दबंगई आई सामने पीड़ित को ही मारा थप्पड़

संवाददाता/फहीम अहमद राज

हरिद्वार। मुंबई हलचल ने थाना मंगलोर क्षेत्र की लंढोरा चौकी प्रभारी एस. आई.अकरम के द्वारा पीड़ित के साथ मारपीट करने की खबर को प्रमुखता से उठाया था जिसका देर रात आला अफसरों ने खबर का संज्ञान लेते हुए लंढौरा चौकी प्रभारी एसआई अकरम का लंढोरा चौकी से मंगलौर कोतवाली स्थानांतरण कर दिया गया है उनके स्थान पर पुष्पेंद्र सिंह को लंढोरा चौकी प्रभारी बनाया गया है। सोमवार को लंढोरा क्षेत्र के ग्राम गदारोना निवासी गुलशेर अपनी जमीन के विवाद को लेकर चौकी प्रभारी एस. आई. अकरम के पास अपनी तहरीर लेकर गया था, जिसको लेकर एस आई अकरम अली ने उल्टा पीड़ित को डांट फटकार लगाते हुए उसकी तहरीर को उसके माथे पर फेंक मारी, पीड़ित ने चौकी प्रभारी द्वारा मारपीट का आरोप लगाया था, जिसको मुंबई हलचल ने इस खबर को प्रमुखता से उठाया और मुख्य जगह दी, जिसका देर आला अफसरों ने संज्ञान लेते हुए चौकी प्रभारी एसआई अकरम अली का स्थानांतरण मंगलौर कोतवाली में कर दिया गया उनके स्थान पर पुष्पेंद्र सिंह को लंढोरा चौकी का प्रभारी बनाया गया है।

कानपुर और लखनऊ में इनकम टैक्स के छापे से भ्रष्ट अधिकारियों में हड़कंप

एक दर्जन से अधिक अधिकारियों और ठेकेदारों के 22 ठिकानों पर एक साथ की गई छापेमारी

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली उत्तर प्रदेश सरकार के भ्रष्ट अधिकारियों की शामत आ गई है। लगभग 1 दर्जन से अधिक भ्रष्ट और घूसखोर अफसरों के खिलाफ इनकम टैक्स विभाग द्वारा आज बुधवार को बड़ी कार्रवाई करने के रूप में सबक सिखाने की शुरूआत कर दी गई है जिसके तहत अबतक एक साथ 22 ठिकानों पर छापेमारी की है। मिली जानकारी के मुताबिक छापे की इस कार्रवाई में कई ठेकेदारों के भी नाम शामिल बताए गए हैं जिससे उनमें भी हड़कंप मचा हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक इससे पहले 18 जून को भी कार्रवाई की गई थी। छापामार कार्रवाई की विवरण में पता चला है किआयकर विभाग की टीम दिल्ली के शाहदरा स्थित आवास

से डीपी सिंह के यहां बुधवार को पहुंची थी। यहां से टीम उन्हें अपने साथ लखनऊ लेकर गई है। अवगत कराते चलें कि डीपी सिंह फिलहाल कानपुर में कार्यरत हैं। इसी के साथ उद्धयमिता प्रशिक्षण संस्थान संस्था, उद्योग विभाग, यूपी इंडस्ट्रियल कंसलटेंट लिमिटेड, उद्यम विभाग के साथ कुछ प्राइवेट इंडस्ट्रियलिस्ट के यहां छापेमारी शुरू की गई है। सूत्रों से अब तक मिली जानकारी के मुताबिक आज 31 अगस्त को दिल्ली के एक लोकेशन, कानपुर के 10 लोकेशन और लखनऊ के 10 लोकेशन सहित दो अन्य ठिकानों पर छापेमारी कारवाही ने हड़कंप मचा रखा है। बताया गया कि ऑपरेशन बाबू साहब पार्ट-2 के तहत यह कार्रवाई की जा रही है। इसकी शुरूआत 18 जून को दिल्ली से हुई थी। हालांकि अब इस जांच की आंच यूपी के कानपुर और लखनऊ तक पहुंच चुकी है। विभाग को इनपुट मिले थे कि टेंडर को लेकर कई योजनाओं में इन विभागों के अफसर लिप्त रहें। इसके बाद इन सभी के खिलाफ साक्ष्य जुटाए गए और छापेमारी शुरू की गई।

शहर कांग्रेस कमेटी सचिव अब्दुल रहमान लोदरा के नेतृत्व में डाकघर में विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए सौंपा ज्ञापन

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। इंडियन यूथ पावर के संरक्षक और शहर कांग्रेस कमेटी सचिव अब्दुल रहमान लोदरा के नेतृत्व में डाकघर अधीक्षक सीताराम खत्री को विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा।शहर कांग्रेस कमेटी सचिव हाजिर खान ने ज्ञापन में बताया कि इन दिनों डाकघर में इंटरनेट सेवा बंद है जो पिछले 24 घंटे से बंद पड़ी है जिससे साथ लोगों को काफी समस्या उठानी पड़ रही है तथा आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। अब्दुल रहमान लोदरा ने बताया कि डाकघर की पासबुक प्रिंट की व्यवस्था भी नहीं है जिससे आमजन परेशान हो रहे हैं प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इस और समस्या का समाधान के लिए डाक अधीक्षक से मिले तथा समस्या के समाधान की मांग की जिसका उन्होंने जल्द विभाग के द्वारा समस्या के निवारण करने का आश्वासन दिया।इस मौके पर मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय सचिव एनडी कादरी ने भी इन मुद्दों के विषय में बात की तथा उन्हें इन मुद्दों पर सख्त कार्रवाई करने के लिए कहा इसका अधीक्षक ने निवारण करने की बात कही इस मौके पर नवाब खान नायच, अकबर जोईया हाजिर खान, इस्माइल खिलजी, अहमद अली भाटी, अब्दुल रहमान लोदरा आदि उपस्थित थे।

सामाजिक संस्था ने विधायक से की मौ नगर के विकास की मांग

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़ / मुकेश शर्मा

राजस्थान। मानवता ईश्वर के लिए कल्याण संस्था परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अब्दुल हमीद ने गोहद विधानसभा से विधायक मेवाराम जाटव से मौ नगर के विकास की मांग की है। श्री हमीद ने विधायक से कहा कि क्षेत्र की जनता ने आपको इसलिए चुना है कि ताकि क्षेत्र में विकास हो सके विधायक बनने के 2 साल बाद भी आपके द्वारा मौ नगर में कोई ऐसा कार्य नहीं किया गया है जो मौ नगर के विकास से जुड़ा हुआ हो। समाजसेवी अब्दुल हमीद ने विधायक को इस आशय का ज्ञापन भी सौंपा ज्ञापन में कहा कि मौ नगर के विकास के लिए हमारी संस्था हमेशा आवाज उठाती रहेगी । विधायक से जिन चीजों की मांग की है वह नगर के विकास के लिए बहुत जरूरी है मानवता ईश्वर के लिए कल्याण संस्था परिषद के अध्यक्ष के द्वारा मो नगर के विकास के लिए जो मांग की है उनमें सबसे पहली मांग जन समस्या का निवारण केंद्र

मो नगर में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में नगर के हर वार्ड में 7 दिन बाद कैंप के द्वारा जन समस्या को सुना जाए एवं तत्काल प्रभाव से उनका निराकरण भी किया जाए। संस्था की तरफ दूसरी मांग नगर के विकास के लिए छात्रों को खेलकूद का ग्राउंड बनाया जाए, संस्था के माध्यम से नगर की तीसरी समस्या की मांग करते हुए कहा कि रोड पर सब्जी मंडी लगती है जिससे आवागमन में नगर की जनता को तकलीफ होती है सब्जी मंडी को सब्जी मंडी की दुकानों में शिफ्ट किया जाए, एवं थाने वाली मस्जिद के सामने वार्ड नंबर 8 में शासकीय जमीन पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण को बढ़ावा दिया जाए विधायक जी ने तत्काल प्रभाव से इन समस्याओं के संबंध में भिण्ड जिला के वरिष्ठ अधिकारियों से भी बात की है और आश्वासन दिया कि सामाजिक संस्था मानवता ईश्वर के लिए कल्याण कल्याण संस्था परिषद की मांग को बहुत जल्द नगर की इन सारी समस्याओं का निराकरण करा दिया जाएगा गोहद विधायक मेवाराम जाटव के साथ वार्ड कांग्रेस के कई कार्यकर्ता मौजूद थे मौ वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद पति संजीव यादव एवं वार्ड क्रमांक 14 के पार्षद पति सोन पाल यादव ने भी नगर की कई समस्याओं से विधायक जी को अवगत कराया एवं सूत्रों से मिली जानकारी से यह भी पता चला है कि कांग्रेस के ऊर्जावान कार्यकर्ता संजीव यादव को मो नगर क्षेत्र मैं सक्रिय होकर काम करने के लिए विधायक ने कहा है और विधायक ने यह भी कहा है कि अगर कोई काम रुकता है तो मुझे तत्काल बताएं दूसरी ओर सोनपाल से भी विधायक मेवाराम ने पूरे ब्लॉक मैं काम करने को कहा खबर तो यहां तक है कि मौ में कांग्रेस को मजबूत बनाने का काम भी विधायक ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सहयोग से एवं नगर के सहयोग से सोनपाल यादव और संजीव यादव को सौंपा है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

यह स्पैशल डाइट खाएं और 15 दिन में 3 किलो वजन घटाएं

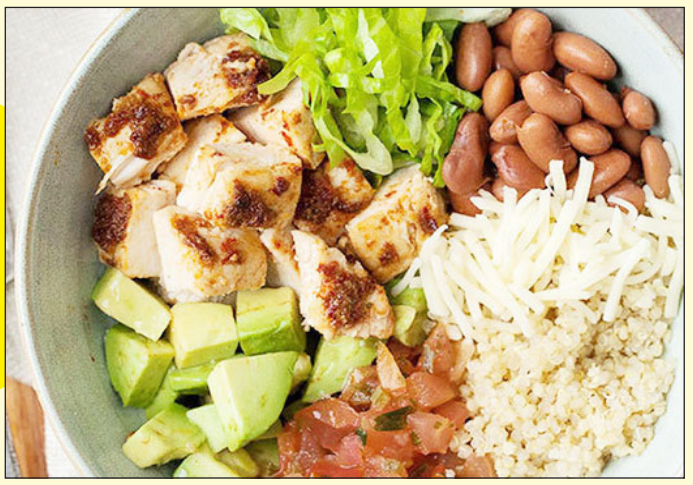

वजन घटाने के तरीके ग्लूटेन एक तरह का प्रोटीन होता है जो गेंहू और इससे बनने वाले खाद्य पदार्थों में पाया जाता है। ग्लूटेन जौं, राई और उन सभी चीजों में भी प्रचुर मात्रा में होता है जो इनसे बनती हैं। वजन बढ़ाने में ग्लूटेन का बहुत बड़ा रोल होता है। इसीलिए एक्सपर्ट ग्लूटेन फ्री डाइट की सलाह देते हैं। अगर आप भी अपना वजन 15 दिन के अन्दर 3 किलो घटाना चाहते हैं तो आईए जानते है कि ग्लूटेन फ्री डाइट क्या है और वजन कम करने में कैसे मदद करता है?

ग्लूटेन फ्री डाइट क्या होती है?

इस डाइट को लेने का मतलब यह है कि हमें गेंहू ,जौं, और राई से बनी खाने वाली सारी चीजें भोजन में बंद करनी होगी। ग्लूटेन फ्री डाइट वजन कम करने के लिए फायदेमंद होती है। ग्लूटेन का सेवन बंद करना आपकी हेल्थ के लिए हानिकारक नहीं होता है। ऐसी डाइट प्लान में आपको सब्जियां और फल ज्यादा खाने चाहिए क्योंकि इनसे आपको अधिक प्रोटीन मिलेगा।

यह प्लान कैसे करता है काम?

ग्लूटेन आपकी भूख को बढ़ाता है इसलिए भोजन में इसे अवॉइड करें। इसमें कुछ ऐसे तत्व पाए जाते है जो भूख-दबाने वाले मॉलिक्यूल को रोकते है। आप जरुरत से ज्यादा खाने लगते हैं और आपका वजन तेजी से बढने लगता है। यदि आप अपने भोजन से ग्लूटेन की मात्रा को बाहर कर दें और फाइबर से भरपूर चीजों का सेवन करें तो आपका वजन घटना शुरू हो जाता है।

ग्लूटेन फ्री डाइट के क्या है और लाभ?

ग्लूटेन से भरपूर चीजें खाने से कई बार छोटी आंत को नुकसान हो जाता है। यदि हम इसे अपने आहार से निकाल दें तो हमें इसके सेवन से होने वाली समस्या से छुटकारा सकता है। छोटी आंत के नुकसान से राहत के महीनें भी लग सकते है। यदि आप ग्लूटेन-फ्री डायट को अधिक गंभीरता से लेंगे तो चाहिए, रिकवरी भी जल्दी से होगी।

किसके लिए जरूरी है ग्लूटेन फ्री डाइट?

ग्लूटेन गेहूं, राई और जौ में मौजूद प्रोटीन है। सेलियक रोग वाले लोगों को ग्लूटेन फ्री डाइट खानी चाहिए क्योंकि ग्लूटेन ऐसे मरीजों में इम्यून प्रतिक्रिया कराते हैं और कुछ खास एंटीबॉडिज बनाते हैं जो भोजन के अवशोषण के दौरान आंत में ग्लूटेन से छुटकारा दिलाने में मदद करते है।

मलाशय की सूजन को कम करेंगी स्ट्रॉबेरी, यूं करें इस्तेमाल

हालिया अध्ययन में पाया गया है कि स्ट्रॉबेरी का नियमित सेवन मलाशय में सूजन कम करने तथा आंतों को सेहतमंद रखने में मददगार होता है।

इन्फ्लामेट्री बॉवेल डिजीज(आई.बी.डी) एक दर्दनाक समस्या है जो गंभीर दस्त और थकान का कारण बन सकती है। इसका उपचार दवाओं और सर्जरी से किया जाता है लेकिन चूहों पर किए गए अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि स्ट्रॉबेरी के सेवन से वजन घटने तथा खूनी दस्त जैसे इससे जुड़े लक्षणों में काफी कमी आ सकती हैं।

अध्ययन करने वाली अमेरिकी यूनिवर्सिटी मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट के हांग जिअ-ाओ कहते हैं, 'कई लोगों की आलसी जीवनशैली और आहार संबंधी आदतों जिनमें अधिक चीनी, अधिक फैट, और कम फाइबर शामिल हैं, आंतों तथा मलाशय की सूजन को बढ़ावा और आई.बी.डी के जोखिम को बढ़ाती है।'

अध्ययन में यह भी पाया गया है कि स्ट्रॉबेरी से उपचार से चूहों में मलाशय में होने वाली सूजन के विभिन्न लक्षणों में भी कमी होती है। आई.बी.डी रोगियों तथा सामान्य लोगों में ही मलाशय की सूजन को कम करने हेतु अध्ययन करने के लिए स्ट्रॉबेरी को इसलिए चुना गया क्योंकि यह एक व्यावाहरिक उपाय है क्योंकि काफी लोग इन्हें पसंद करते हैं और आमतौर पर आसानी से उपलब्ध होती है।

स्ट्रॉबेरी के फायदे

☞ एंटी-ऑक्सीडैंट्स की प्रचुर मात्रा होने से यह रोगों से लड़ने की शक्ति बढ़ाती है।

☞ विटामिन सी की मदद से आंखें स्वस्थ रहती है जबकि स्ट्रॉबेरी इसकी मात्रा भरपूर है।

☞ इसमें फ्लेवोनॉइड, फोलेट, केम्फेरॉल जैसे तत्व हैं जो कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं का नाश करते हैं।

☞ इसमें पोटेशियम होता है जो हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा कम करता है।

फ्लावर फेशियल, बिना साइड इफेक्ट देता है निखार

हर किसी को कोई न कोई फूल बहुत पसंद होता है। इन फूलों का इस्तेमाल आमतौर पर पूजा, डैकोरेशन और गिफ्ट आदि के लिए किया जाता है। यह देखने में आंखों को जितना ज्यादा सुकून देते हैं, ब्यूटी के लिए उससे भी ज्यादा फायदेमंद है। आजकल फ्लावर फेशल की डिमांड बहुत बढ़ गई है। फेशियल का यह ट्रीटमेंट हर्बल होता है। इसमें किसी भी तरह का साइड इफैक्ट होने का खतरा भी नहीं रहता।

अपनी स्किन टाइप के हिसाब से ट्राई करें फेशियल

इस तरह का फेशियल करवाते समय पहले अपनी स्किन टाइप के बारे में जानना बहुत जरूरी है। हर तरह की स्किन प्रॉब्लम के हिसाब से ही फ्लावर फेशियल करवाने से ही फायदा मिलता है। इसमें आपको गुलाब, गेंदा, लिलियम, सनफ्लावर, चाइनीज हिबिस्कस, मैरीगोल्ड,रजनीगंधा, कारनेशन, गुलदावरी आदि कई तरह के फ्लावर फेशियल करवा सकते हैं। इसका फायदा यह है कि इसकी 4 से 6 सिटिंग्स ही चेहरे पर निखार ला देती हैं और महीने भर दोबारा इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ती।

1. रोज फेशियल

कुछ लोगों को ओपन पोर्स की बहुत परेशानी रहती है। इससे छुटकारा पाने के लिए रोज फेशियल ट्राई किया जा सकता है। इससे स्किन पर गुलाबी निखार आना शुरू हो जाता है।

2. सनफ्लॉवर फेशियल

स्किन को नेरिशमेंट देने के लिए सनफ्लावर फेशियल बैस्ट है। इससे डलनेस भी पूरी तरह से खत्म हो जाती है।

3. मैरीगोल्ड फेशियल

ड्राईनेस की परेशानी से छुटकारा पाने के लिए मैरीगोल्ड फ्लावर फेशियल करवा सकते हैं। इससे रूखापन खत्म होने के साथ-साथ नेचुरल निखार आना शुरू हो जाता है।

4. लैंवेडर फेशियल

एक्ने और झुर्रियों ने परेशान कर रखा है तो इसके लिए लैंवेडर फ्लावर का इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे सनबर्न से भी राहत मिलती है।

5. जैसमिन फेशियल

मुहांसों के दाग-धब्बे या चेहरे पर पड़े निशानों को कम करना है तो जैसमिन फेशियल का सहारा लिया जा सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आमिर खान ने लिया बड़ा फैसला

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान एक बार फिर से लाइमलाइट में आ गए हैं। दरअसल एक्टर की मच अवेटेड फिल्म लाल सिंह चड्ढा बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई हैं। बॉयकॉट की लहार ने आमिर के फिल्म को बुरी तरह से डुबों दिया। चार साल बाद इस फिल्म के जरिये परदे पर वापसी करने वाले आमिर को फिल्म से काफी उम्मीदे थी। लेकिन 180 करोड़ में बनी लाल सिंह चड्ढा 20 दिन में मात्र 60 करोड़ की कमाई कर पाई। इससे फिल्म के मेकर्स को करोड़ों का लॉस हुआ है, ऐसे खबरें आ रही हैं कि आमिर खान इस नुकसान की भरपाई करेंगे। आमिर ने फिल्म का हालत को देखते हुए ये फैसला लिया है कि वो अब लाल सिंह चड्ढा के लिए कोई भी फीस नहीं लेगें। ऐसा माना जा रहा था कि अगर आमिर अपनी फीस लेते तो मेकर्स को 100 करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो जाता। ऐसे में आमिर ने खुद आगे आकर फिल्म के फ्लॉप होने की जिम्मेदारी लेते हुए फीस छोड़ दी है। अब मेकर्स को नॉमिनल नुकसान होगा। वही ये बात तो सभी जानते हैं की बॉलीवुड के तीनों खान अपनी हाई फीस के लिए जाने जाते हैं, ऐसे में आमिर का फीस न लेना बड़ी बात है। आमिर ने इस फिल्म के काफी मेहनत की थी। एक्टर ने इस फिल्म को चार साल दिया इसके बावजूद आमिर को इस फिल्म से एक रुपया का भी फायदा नहीं हुआ हैं। आमिर का कहना हैं की फिल्म की नुक्सान का भरपाई वो खुद करेंगे, किसी और को इसका खामियाजा भुगतने की कोई जरूरत नहीं हैं।

सारा अली खान की बढ़ी मुश्किलें

सारा अली खान के ऊपर मुसीबतों का पहाड़ टूटता हुआ नजर आ रहा हैं। दरअसल उड़ती-उड़ती खबरे ये आ रही एक्ट्रेस के ऊपर एक शख्स ने गंभीर आरोप लगाया है। साथ ही अब सारा को जेल भेजने की मांग भी कर रहा हैं। दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा हैं। जो सारा अली खान के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इस वीडियो में एक शख्स सारा को जेल में डालने की मांग करता हुआ दिख रहा है। दरअसल, सारा अली खान जल्द ही अमेजन मिनीटीवी के कॉमेडी सो केस तो बनता है में बतौर गेस्ट के रूप में नजर आने वाली हैं। वही इस शो को लेकर अब चर्चाएं काफी तेज हो गयी हैं। दरअसल मेकर्स ने इस शो का एक प्रोमो जारी किया है। जिसमें एक्ट्रेस के ऊपर कॉमेडियन परितोष त्रिपाठी उनके खिलाफ लगातार कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वही अपने ऊपर लगा इलजामों पर सारा लगातार सफाई देती नजर आ रही हैं। वहीं, इस प्रोमो में एक्ट्रेस कहती हैं, अगर मैं जेल जाऊंगी तो मुझे बेल मिल जाएगी। आप देखिए मैं फेल नहीं होऊंगी। वही इस कोटरूम कॉमेडी शो के बारे में अपना एक्साइटमेंट जाहरि करते हुए सारा कहती हैं, केस तो बनता है, एक ऐसा शो है जसिपर आकर मैं बहुत खुश हूं। यहां के अतरंगी जोक्स और ह्यूमर बिलकुल मेरी तरह का है और मैंने इसे खूब इंजॉय किया।

टाइगर ने श्रद्धा को बताया अपना क्रश

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ के बेटे और एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ अपनी पर्सनल लाइफ को हमेशा लाइमलाइट से दूर रखते हैं। लेकिन पिछले काफी वक्त से टाइगर के दिशा पाटनी के साथ रिलेशनशिप की खबरें बॉलीवुड गलियारों में चारों तरफ फैली हुई थी। दोनों एक्टर्स को कई बार एक दूसरे साथ स्पॉट भी किया जाता था। इतना नहीं दिशा कई बार टाइगर की बहन और मां के साथ भी दिखाई देती थी, मगर बीतों दिनों खबरें आई थी कि दोनों का ब्रेक-अप हो गया है। वहीं अब टाइगर ने अपनी लव लाइफ को लेकर बड़ा खुलासा किया है जिसे सुनकर हर कोई दंग हो जाएगा। बता दें कि टाइगर और दिशा के ब्रेकअप न्यूज की बीच खबरें थी कि टाइगर किसी आकांक्षा शर्मा नाम की लड़की को डेट कर रहे हैं। मगर अब एक्टर ने करण जौहर के चैट शो में इसे क्लीयर कर दिया है। शो के दौरान जब करण ने टाइगर से उनके करेंट रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर सवाल किया तो एक्टर ने बड़े ही कूल अंदाज में कहा कि मैं सिंगल हूं। मुझे तो कम से कम ऐसा ही लगता है और मैं इस समय चारों ओर देख रहा हूं। वहीं फिल्म मेकर करण जौहर अपने शो में सेलेब्स से उनके सेलेब्रिटी क्रश के बारे में सवाल करते है। हमेशा ही करण अपने गेस्ट से ये सवाल जरुर करते हैं इस बार भी उन्होंने ये सवाल टाइगर से पूछा। तो इस सवाल के जवाब में टाइगर ने अपनी को-एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर का नाम लिया। एक्टर ने आगे कहा कि मैं हमेशा श्रद्धा कपूर से इंफैचुएटेड रहा हूं। मुझे लगता है कि वह बहुत अच्छी है!